Regarding strengthening of the Champaran embankment under the Border Area River Management and construction of a two lane road on it

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण) : सभापति महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद । गण्डक नदी चम्पारण और बिहार की लाइफ लाइन है, लेकिन जब बाढ़ का समय आता है, तो चम्पारण कटिबंध पर हर बार हम लोग बुरी तरह से फंस जाते हैं । 60 सालों में चम्पारण कटिबंध का मजबूतीकरण नहीं हुआ है । हम लोगों को 5-6 रातें जागकर बितानी पड़ती हैं कि कहीं वह चम्पारण तटबंध टूट न जाए । इसके टूटने से न केवल वाल्मिकी नगर टाइगर रिज़र्व को नुकसान होगा, बल्कि लाखों की आबादी भी उसमें बर्बाद हो जाएगी ।

मेरा आपके माध्यम से माननीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल जी से अनुरोध होगा कि बॉर्डर एरिया रिवर मैनेजमेंट के तहत चम्पारण तटबंध का न केवल मजबूतीकरण किया जाए, बल्कि इस पर डबल लेन सड़क बनाई जाए । इसके अलावा गण्डक नदी से सिल्ट निकलवाने का काम किया जाए, जिससे उसकी जो गहराई समाप्त हो गई है, वह ठीक हो जाए । चम्पारण तटबंध के रहने से वाल्मिकी नगर टाइगर रिज़र्व सहित चम्पारण और गोपालगंज के सभी लोगों की रक्षा हो सकेगी ।